NCERT SOLUTIONS

CLASS - 9th



aglasem.com

Class : 9th
Subject : लोकतांत्रिक राजनीति
Chapter : 2
Chapter Name : संविधान निर्माण

Q1 नीचे कुछ गलत वाक्य दिए गए है हर एक में की गई गलती पहचाने और इस अध्याय के आधार पर उसको ठीक करके लिखे
क. स्वतंत्रता के बाद देश लोकतांत्रिक हो या नही, इस विषय पर स्वतंत्रता आंदोलन के नेताओं ने अपना दिमाग खुला रखा था
ख. भारतीय संविधान सभा के सभी सदस्य संविधान में कही गई हरेक बात पर सहमत थे
ग. जिन देशों में संविधान है वहाँ लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था ही होगी
घ. संविधान देश का सर्वोच्च कानून होता है इसलिए इसमें बदलाव नही किया जा सकता

Answer.(क) गलत – स्वतंत्रता के बाद देश लोकतांत्रिक हो या नही
सही वाक्य – स्वतंत्रता के बाद देश लोकतांत्रिक हो, इस विषय पर स्वतंत्रता आंदोलन के नेताओं ने अपना दिमाग खुला रखा है।
(ख) गलत – हर एक बात पर सहमत थे
सही वाक्य - भारतीय संविधान सभा के सभी सदस्य संविधान में कही गई हरेक बात पर सहमत नहीं थे (उनके विचारों में व्यापक भिन्नता पायी गयी, जिसमे सामुहिक सामानता बनाने में कठिनाई हुई)।
(ग) गलत - वहाँ लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था ही होगी
सही वाक्य - जिन देशों में संविधान है वहाँ ऐसा जरूरी नही है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था ही हो,वहाँ राजतंत्रिय शासन(राजा का शासन) भी हो सकता है ।
(घ) गलत - इसमें बदलाव नही किया जा सकता
सही वाक्य – संविधान देश का सर्वोच्च कानून होता है इसलिए इसमें बदलाव किया जा सकता (क्योकि संविधान की प्रकृति परिवर्तनशील एंव समय कालिक है जिसमें आवश्यकता अनुसार संशोधन परिवर्तन किये जा सकते है)।

aglasem.com

Page : 33 , Block Name : Short answer

Q2 दक्षिण अफ्रीका का लोकतांत्रिक संविधान बनाने में, इनमें से कौन-सा टकराव सबसे महत्पूर्ण था:
क. दक्षिण अफ्रीका और उसके पड़ोसी देशों का
ख. स्त्रियो और पुरुषों का
ग. गोरे अल्पसंख्यक और अश्वेत बहुसंख्यकों का
घ. रंगीन चमड़ी वाले बहुसंख्यकों और अश्वेत अल्पसंख्यक का

Answer. (ग) गोरे अल्पसंख्यक और अश्वेत बहुसंख्यकों का

Page : 33 , Block Name : Very short answer

Q3 लोकतांत्रिक संविधान में इनमे से कौन-सा प्रावधान नही रहता?
क. शासन प्रमुख के अधिकार

ख. शासन प्रमुख का नाम
ग. विधायिका के अधिकार
घ. देश का नाम

Answer. (ख) शासन प्रमुख का नाम

Page : 33 , Block Name : Very short answer

Q4 संविधान निर्माण में इन नेताओं और उनकी भूमिका में मेल बेठाए:
क. मोतीलाल नेहरु 1. संविधान सभा के अध्यक्ष
ख. बी.आर.अंबेडकर 2. संविधान सभा के सदस्य
ग. राजेंद्र प्रसाद 3. प्रारूप कमेटी के अध्यक्ष
घ. सरोजिनी नायडू 4. 1928 में भारत का संविधान बनाया

Answer.

क. मोतीलाल नेहरु	4. 1928 में भारत का संविधान बनाया
ख. बी.आर.अंबेडकर	3. प्रारूप कमेटी के अध्यक्ष
ग. राजेंद्र प्रसाद	1. संविधान सभा के अध्यक्ष
घ. सरोजिनी नायडू	2. संविधान सभा के सदस्य

aglasem.com

Page : 33 , Block Name : Very short answer

Q5 जवाहर लाल नहरू के नियति के साथ साक्षात्कार वाले भाषण के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों का जवाब दे:
क. नेहरु ने क्यों कहा कि भारत का भविष्य सुस्ताने और आराम करने का नही है?
ख. नए भारत के सपने किस तरह विश्व से जुड़े हैं?
ग. वे संविधान निर्माताओं से क्या शपथ चाहते थे?
घ. “हमारी पीढ़ी के सबसे महान व्यक्ति की कामना हर आँख से आंसू पोंछने की है” वे इस कथन में किसका जिक्र क्र रहे थी?

Answer. (क) क्योंकि उनका मानना था कि,अब वह समय आ गया है कि हम अपने आपको,भारत और अनेक लोगों को भी अधिक मानवता की सेवा में समर्पित रहें
(ख) नए भारत के सपने संविधान सभा के माध्यम से विश्व से जुडा है क्योंकि आजादी और सत्ता जिम्मेदारियाँ लाती है एंव इन जिम्मेदारियाँ का भली-भांति पूर्णत से निर्वहन करना इस सभा का ही कर्तव्य है
(ग) भारत की सेवा करने की
(घ) महात्मा गाँधी

Page : 33 , Block Name : Short answer

Q6 हमारे संविधान को दिशा देने वाले ये कुछ मूल्य और उनके अर्थ है इन्हें आपस में मिलाकर दोबारा लिखिए
क. संप्रभु 1. सरकार किसी धर्म के निर्देशों के अनुसार काम नही करेगी
ख. गणतन्त्र 2. फैसले लेने का सर्वोच्च अधिकार लोगों के पास है
ग. बंधुत्व 3. शासन प्रमुख एक चुना हुआ व्यक्ति है
घ. धर्मनिरपेक्ष 4. लोगों को आपस में परिवार की तरह रहना चाहिए

Answer.

क. संप्रभु	2. फैसले लेने का सर्वोच्च अधिकार लोगों के पास है
ख. गणतन्त्र	3. शासन प्रमुख एक चुना हुआ व्यक्ति है
ग. बंधुत्व	4. लोगों को आपस में परिवार की तरह रहना चाहिए
घ. धर्मनिरपेक्ष	1. सरकार किसी धर्म के निर्देशों के अनुसार काम नही करेगी

aglasem.com

Page : 33 , Block Name : Very short answer

Q7 कुछ दिन पहले नेपाल से आपके एक मित्र ने वहाँ की राजनैतिक स्थिति के बारे में आपको पत्र लिखा था वहाँ अनेक राजनैतिक पार्टिया राजा के शासन का विरोध क्र रही थी उनमें से कुछ का कहना था कि राजा द्वारा दिए गए मोजूदा संविधान में ही संशोधन करके चुने हुए प्रतिनिधियों को ज्यादा अधिकार दिए जा सकते है अन्य पार्टिया न्य गणतान्त्रिक संविधान बनाने के लिए नई संविधान सभा गठित करने की माँग कर रही थी इस विषय में अपने राय बताते हुए अपने मित्र को पत्र लिखें

Answer. छात्र स्वयं करे

Page : 34 , Block Name : Very short answer

Q8 भारत के लोकतंत्र के स्वरूप में विकास के प्रमुख कारणों के बारे में कुछ अलग-अलग विचार इस प्रकार है आप इनमें से हर कथन को भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए कितना महत्वपूर्ण कारण मानते है?
क. अंग्रेज शासकों ने भारत को उपहार के रूप में लोकतांत्रिक व्यवस्था दी हमने ब्रिटिश हुकूमत के समय बने प्रांतीय असेंबलियों के जरिये लोकतांत्रिक व्यवस्था में काम करने का प्रशिक्षण पाया
ख. हमारे स्वतंत्रता संग्राम ने औपनिवेशिक शोषण और भारतीय लोगों को तरह-तरह की आजादी न दिए जाने का विरोध किया ऐसे में स्वतंत्र भारत को लोकतांत्रिक होना ही था

ग. हमारे राष्ट्रवादी नेताओं की आस्था लोकतंत्र में थी अनेक नव स्वतंत्र राष्ट्रों में लोकतंत्र का न आना हमारे नेताओं के महत्पूर्ण भूमिका को रेखंकित करता है

Answer. (क) यह कहना उचित ही होगा कि अंग्रेजों ने भारतीयों की लोकतांत्रिक व्यवस्था दी क्योकि भारत के गुलाम होने से पहले भारत में राज्यतंत्रिय व्यवस्था विधमान थी, परन्तु औपनिवेशिक शासक के दोरान भारतीयों द्वारा ब्रिटिश असेंबलियों में कार्य करके लोकतंत्र के महत्व को समझा गया एवं इस आधुनिक प्रणाली को भारत में भी अपनाने का प्रयास किया गया
(ख) चूँकि, लोकतांत्रिक व्यवस्था पूर्णत समानता पर आधारित होती है,अतः ऐसे में हम कह सकते है कि अंग्रेजों के द्वारा भारतीय लोगों की तरह-तरह की आजादी न दिए जाने का विरोध लोकतंत्र जैसे आधुनिक व्यवस्था को अपनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा
(ग) चूँकि, लोकतांत्रिक व्यवस्था आधुनिक मूल्यों पर आधारित होती है जैसे- स्वतंत्रता, न्याय, समानता इत्यादि इसलिए भारतीय नेता इस व्यवस्था को भारत में लाना चाहते थे,परन्तु बहुत से देश इस व्यवस्था को आजादी के बाद भी अपने यहाँ लागु नही कर सके।इससे यह साबित होता है कि भारत में इस व्यवस्था को लागू करने में भारतीय नेताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है

Page : 34 , Block Name : Short answer

Q9 1912 में प्रकाशित 'विवाहित महिलाओं के लिए आचरण' पुस्तक के निम्नलिखित अंश को पढ़े:
"ईश्वर ने ओरत जाति को शारीरिक और भावनात्मक, दोनों ही तरह से ज्यादा नाजुक बनाया है उन्हें आत्म रक्षा के भी योग्य नही बनाया है इसलिए ईश्वर ने ही उन्हें जीवन भर पुरुषों के संरक्ष्ण में रहने का भाग्य दिया है- कभी पिता के, कभी पति के और कभी-कभी पुत्र के इसलिए महिलाओं को निराश होने की जगह इस बात से अनुगृहित होना चाहिए कि वे अपने आपको पुरुषों की सेवा में समर्पित कर सकती है"
क्या इस अनुच्छेद में व्यक्त मूल्य संविधान के दर्शन से मेल खाते है या वे संवैधानिक मूल्यों के खिलाफ है?

Answer. उपर्युक्त मूल्य, संविधानिक मूल्यों के खिलाफ हैं क्योंकि संविधान सभी व्यक्तियों को स्वयं के विकास के लिए समान अवसर उपलब्ध कराता है अथार्त संविधान की नजर में प्रत्येक व्यक्ति समान है। किसी भी व्यक्ति के साथ लिंग, आयु, धर्म, जाति इत्यादि के अनुसार भेदभाव नहीं किया जा सकता है

Page : 34 , Block Name : Short answer

Q10 निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए क्या आप उनमे सहमत है? अपने कारण भी बताइए
क. संविधान के नियमों की हैसियत किसी भी अन्य कानून के बराबर है
ख. संविधान बताता है कि शासन व्यवस्था के विविध अंगो का गठन किस तरह होगा
ग. नागरिकों के अधिकार और सरकार की सत्ता की सीमाओ का उल्लेख भी संविधान में स्पष्ट रूप में है
घ. संविधान संस्थाओ की चर्चा करता है, उसका मूल्यों से कुछ लेना-देना नही है

Answer. (क) चूँकि, संविधान एक पुस्तक के भांति है जिसमे देश को सुचारू रूप से चलने के नियम एंव कानून लिखे हैं जो समय के अनुसार परिवर्तनशील भी हैं। अतः, अन्य कानून में बराबर की हैसियत किसी भी अन्य कानून में बराबर ही है जिसमे उल्लंघन पर दंड का प्रावधान भी है
(ख) संविधान में भारतीय शासन व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए विविध नियम, प्रक्रियाओं एंव संगठनों का गठन किया गया है जैसे – केंद्र स्तर पर प्रशासन की जिम्मेदारी 'संसद' को एंव राज्य स्तर

पर जिम्मेदारी 'विधानमंडल' को सौंपी गई है जो आवश्यकतानुसार अन्य संगठनो का गठन करके प्रशासन को सुचारू रूप प्रदान करेंगे
(ग) संविधान रूपी किताब में नागरिकों के अधिकार जिन्हें मोलिख अधिकार कहा जाता है एंव सरकार की सीमाओं का तर्कपूर्ण वर्णन किया गया है ताकि टकराव की स्थिति बनने से रोका जा सके एंव प्रशासन को सुचारू रूप प्रदान किया जा सके
(घ) यह कहना उचित नही होगा कि संस्थाओ के मूल्यों से कोई लेना-देना नहीं होगा क्योंकि मूल्य सहित संगठन का प्रशासन में औचित्य ही समाप्त हो जाता है। अतः प्रत्येक संगठन की अपने मूल्य एंव सीमायें है जिनको लेकर अपने मूल्य का निर्धारण किया जाना चाहिए

Page : 34 , Block Name : Short answer

aglasem.com